मेडिकल स्क्रीनिंग स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है। उनका प्राथमिक उद्देश्य एक विशिष्ट नौकरी की भूमिका के लिए आपके स्वास्थ्य और खुशहाली का आकलन करना है, यह सुनिश्चित करना कि आप अपने कर्तव्यों को अपने या दूसरों के लिए जोखिम पैदा किए बिना सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कर सकते हैं।

देखभाल कार्य के संदर्भ में, जहां कार्यों में अक्सर उठाना, गतिशीलता के साथ सहायता करना और भावनात्मक समर्थन प्रदान करना शामिल होता है, चिकित्सा जांच यह सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है कि आप शारीरिक और मानसिक रूप से भूमिका की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। आपकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच करके, नियोक्ता आपकी सुरक्षा और आपके द्वारा देखभाल किए जाने वाले लोगों के लिए आपकी नौकरी में आवश्यक किसी भी सहायक उपायों के बारे में भी पता लगा सकते हैं।

तीन प्रकार की मेडिकल स्क्रीनिंग हैं जिनमें आपको शामिल किया जा सकता है, इनमें शामिल हैं:

1. **पूर्व-रोजगार स्वास्थ्य आकलन** -रोजगार प्रस्ताव से पहले आयोजित, पूर्व-रोजगार स्वास्थ्य आकलन का उद्देश्य किसी भी स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान करना है जो नौकरी करने की आपकी क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इन आकलन में चिकित्सा प्रश्नावली या शारीरिक परीक्षाएं शामिल हो सकती हैं।

2. **व्यावसायिक स्वास्थ्य आकलन** - कुछ उद्योगों, जैसे स्वास्थ्य देखभाल(हेल्थकेयर), को विशेष स्वास्थ्य आकलन की आवश्यकता होती है। ये आकलन खतरनाक रसायनों के संपर्क में आने जैसी चीजों को देखते हैं या यह सुनिश्चित करने के लिए नौकरी में किन चूज़ें को सम्मिलित किया गया है कि यह श्रमिकों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ है।

3. **आवधिक स्वास्थ्य जांच**- नियोक्ता मौजूदा कर्मचारियों के लिए उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करने और किसी भी उभरते स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान करने के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच भी कर सकते हैं। ये चेक कर्मचारियों की समग्र भलाई में योगदान करते हैं और काम से संबंधित बीमारियों या चोटों को रोकने में मदद करते हैं।

चिकित्सा जांच आयोजित करते समय, नियोक्ताओं को निष्पक्ष, सम्मानजनक होना चाहिए और आपकी जानकारी को निजी रखना चाहिए। सम्मान, और गोपनीयता। नियोक्ता को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आपके पास:

- **सूचित सहमति** - आपको पता होना चाहिए कि परीक्षण क्या हैं, उनमें क्या शामिल है, और उनके कारण क्या हो सकता है।

- **गोपनीयता** - स्क्रीनिंग से चिकित्सा जानकारी को निजी रखा जाना चाहिए और केवल उन लोगों के साथ साझा किया जाना चाहिए जिन्हें इसके बारे में जानने और जानने की आवश्यकता है।

- **गैर-भेदभाव**- चिकित्सा जांच में केवल यह देखना चाहिए कि आप नौकरी कर सकते हैं या नहीं। उन्हें आपके साथ किसी भी स्वास्थ्य समस्या या विकलांगता के कारण गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए। यदि आप विकलांग हैं, तो नियोक्ता को आपके लिए चीजों को आसान बनाने की कोशिश करनी चाहिए यदि वे कर सकते हैं।